Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/20-23 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३० अंक-०२ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६ - ३१ जनवरी २०२२ पृष्ठ ०८ मूल्य:१० रु.मात्र (रंगीन सहित)

महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण सबसे महत्वपूर्ण हथियार-पीएम मोदी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों/प्रशासकों के साथ एक व्यापक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कोविड-१६ और राष्ट्रीय कोविड-१६ टीकाकरण की प्रगति के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, डॉ. मनसुख मांडविया, राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार आदि उपस्थित थे। अधिकारियों ने बैठक को महामारी की स्थिति पर नवीनतम विवरण से अवगत कराया। बैठक को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि हम १३० करोड़ भारत के लोग, अपने प्रयासों से कोरोना से जीतकर अवश्य निकलेंगे। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के संबंध में, प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए केंद्र द्वारा प्रदान किए गए २३,००० करोड़ रुपये के पैकेज का उपयोग करने के लिए राज्यों की सराहना की। इसके अंतर्गत पूरे देश में ८०० से अधिक बाल चिकित्सा इकाइयों, १.५ लाख नई गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) और एचडीयू बेड, ५ हजार से अधिक विशेष एम्बुलेंस, ६५० से अधिक तरल चिकित्सा ऑक्सीजन भंडारण टैंक क्षमता को जोड़ा गया है। बैठक मे मुख्यमंत्रियों ने कोविड-१६ की लगातार लहरों के दौरान उनके नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

माघ मेला 2022 के प्रमुख स्नान पर्वो पर प्रयागराज जंक्शन पर प्रवेश व्यवस्था

प्रयागराज जं. पर प्रवेश – लीडर रोड द्वारा केवल सिटी साइड से

माघ मेला के दौरान प्रमुख स्नान पर्वो पर प्रयागराज जं. पर सिविल लाइन्स साइड से प्रवेश बन्द रहेगा जिसका विवरण निम्न प्रकार से है

क्र. सं.	पर्व का नाम	तिथि	दिन	सिविल लाइन्स साइड से प्रवेश बंद रहने का समय
1	मकर संक्रांति	14.01.2022	शुक्रवार	दिनांक 13.01.2022 दोपहर 12 बजे से दिनांक 15.01.2022 रात्रि 12 बजे तक
2	पौष पूर्णिमा	17.01.2022	सोमवार	दिनांक 16.01.2022 दोपहर 12 बजे से दिनांक 18.01.2022 रात्रि 12 बजे तक
3	मौनी अमावस्या	01.02.2022	मंगलवार	दिनांक 30.01.2022 शाम 6 बजे से दिनांक 02.02.2022 रात्रि 12 बजे तक
4	बसन्त पंचमी	05.02.2022	शनिवार	दिनांक 04.02.2022 दोपहर 12 बजे से दिनांक 06.02.2022 रात्रि 12 बजे तक
5	माघी पूर्णिमा	16.02.2022	बुधवार	दिनांक 15.02.2022 दोपहर 12 बजे से दिनांक 17.02.2022 रात्रि 12 बजे तक
6	महाशिवरात्रि	01.03.2022	मंगलवार	दिनांक 28.02.2022 दोपहर 12 बजे से दिनांक 02.03.2022 रात्रि 12 बजे तक

स्पेशल ट्रेन की दिशा	प्रवेश द्वार	यात्री आश्रय का रंग
लखनऊ एवं वाराणसी की तरफ	लाल रंग 1	लाल रंग
मिर्जापुर, विन्ध्यांचल एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. की तरफ	नीला रंग 2A	नीला रंग
मानिकपुर, सतना तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन (झाँसी) की तरफ	पीला रंग 2B	पीला रंग
फतेहपुर एवं कानपुर की तरफ	हरा रंग 3	हरा रंग
सभी दिशाओं की नियमित गाड़ियों के आरक्षित यात्रियों के लिये	सफेद रंग 4	————

आवश्यक सूचना : माघ मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु संगम क्षेत्र में त्रिवेणी रोड पर भी आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउन्टर खोले गये हैं। जिनसे यात्री टिकट प्राप्त कर सकते है।

दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी। मास्क नहीं तो टिकट नहीं

हमें फॉलो करें North Central Railways CPRONCR 53/22(R) www.ncr.indianrailways.gov.in

रेल मंत्री ने की रेलवे जोन/मंडलों में कोविड तैयारियों की समीक्षा

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। कोविड मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विभिन्न रेलवे जोन और मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि आम लोगों के लिए रेलवे अस्पतालों और बुनियादी स्वास्थ्य ढांचे के उपयोग को सुविधाजनक बनाया जाए। वर्चुअल माध्यम से आयोजित बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी के त्रिपाठी, बोर्ड के सदस्य, रेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सभी जोनल रेलवे/पीयू के महाप्रबंधक (जीएम) और मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) शामिल हुए।

समीक्षा बैठक में वैष्णव ने कोविड तैयारी से संबंधित निम्नलिखित पहलुओं की जांच पड़ताल की जिसमें, रेलवे अस्पताल का बुनियादी ढांचा, बाल चिकित्सा वार्ड में कामकाज टीकाकरण, रेलवे के कर्मचारी और उनके बच्चों का टीकाकरण और रेलवे के फ्रंटलाइन वर्कर्स को बूस्टर डोज देने का प्रावधान, दवाओं की उपलब्धता, ऑक्सीजन की आपूर्ति, जिओलाइट स्टॉक और अन्य आवश्यक चिकित्सा सहायता और वेंटिलेटर की कार्यप्रणाली, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक और अन्य उपकरण जो कोविड उपचार में महत्वपूर्ण हैं। ऑक्सीजन संयंत्रों को चालू करना (कुल स्वीकृत ऑक्सीजन संयंत्रों में से ७८ पहले ही शुरू हो चुके हैं और १७ चालू होने बाकी हैं) जागरूकता पैदा करना, रेलवे स्टेशनों पर मास्क लगाने, हाथों की सफाई और अन्य एहतियाती उपायों के बारे में बारंबार घोषणाएं करना,रेलवे स्टेशनों पर बिना मास्क के लोगों के प्रवेश को रोकना या उन्हें हतोत्साहित करना।

मास्क पहनने और अन्य एहतियाती उपायों को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाना, कोविड की वर्तमान स्थिति के दौरान आपात स्थिति में/के लिए विशेष स्टेशनों के संचालन और/या रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों/प्रवासियों की संख्या में अचानक वृद्धि की समीक्षा करना।

दिसंबर में किया गया १.७५ मिलियन टन माल लदान

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे की अध्यक्षता में नव वर्ष की प्रथम संरक्षा, समयपालन बैठक आयोजित

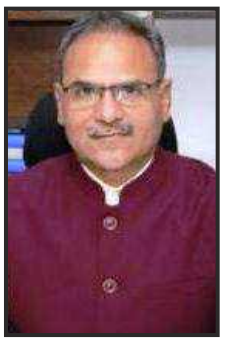

प्रारंभिक लदान में वृद्धि की गति को बनाए रखते हुए, वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत तक, उत्तर मध्य रेलवे ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में अपने प्रारंभिक माल लदान में १६.५ % की वृद्धि दर्ज की। राजस्व अर्जन की दृष्टि से इसी अवधि में १३.१२%की वृद्धि दर्ज की गई है। दिनांक ०४.०१.२०२२ को महाप्रबंधक प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक संरक्षा और समयपालन बैठक के दौरान, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक बिप्लव कुमार द्वारा उपरोक्त विवरण साझा किए गए। बिप्लव कुमार ने उत्तर मध्य रेलवे के लिए नए यातायात को आकर्षित करने में मुख्यालय और मंडलों की बिजनेस डेवलेपमेंट इकाइयों के प्रयासों की सराहना की। प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि जिन प्रमुख मदों में लोडिंग बेहतर हुई है, उनमें सीमेंट, खाद्यान्न और पेट्रोलियम आदि शामिल थे। कंटेनर लोडिंग में भी १६.२ % की वृद्धि दर्ज की गई। ज्ञात हो कि, पिछले साल के १.७६ मिलियन टन कंटेनर ट्रैफिक की तुलना में इस साल अप्रैल से दिसंबर के दौरान २.०८ मिलियन टन कार्गो लोड किया गया था। बैठक के प्रारंभ महाप्रबंधक ने शिकोहाबाद-मैनपुरी खंड का विद्युतीकरण पूरा होने पर मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज एवं विद्युतीकरण कार्य से जुड़े अधिकारियों की टीम को बधाई दी। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मोहित चंद्रा ने बताया कि बीपीसीएल, पनकी से पिछले महीने शुरू हुई एचएसडी की नई लोडिंग से रेलवे को अच्छा राजस्व प्राप्त होगा और यहां से औसतन ५० रैक प्रति माह लोड होने की आशा है।

माघ मेले में नियमित होगी कोरोना जांच

रे.स.ब्यू./सूत्र. प्रयागराज। संगम तट को कोरोना मुक्त रखने के लिए मेला क्षेत्र के चारों ओर जांच केंद्र बनाया गया है यहीं पर वैक्सीनेशन कार्य भी किया जा रहा है। इन सभी केंद्रों पर सीएचसी और जिला अस्पताल के डाक्टरों और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। संगम तट पर लगने वाले माघ मेले को कोरोना मुक्त रखने के लिए जिला प्रशासन और स्वास्थ विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसके साथ ही पिछली बार की तर्ज पर इस बार भी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोरोना की आरटी पीसीआर जांच को अनिवार्य कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मेला क्षेत्र में भी कोविड जांच और टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए मेला परिसर में २०-२० बेड के दो बड़े अस्पताल और १२ छोटे-छोटे स्वास्थ सेंटर की व्यवस्था की गई है।

झाँसी मंडल ने टिकट चेकिंग आय में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

रे.स.ब्यू./सूत्र। झाँसी मंडल द्वारा दिसंबर माह में सघन टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान अनियमित यात्रा, बिना टिकट यात्रा, बिना बुक्ड लगेज, गंदगी फैलाने, मास्क धारण न करने वाले एवं धुम्रपान करने वाले यात्रियों से सम्बंधित कुल ६७८६२ प्रकरण दर्ज हुए। जिनसे जुर्माना स्वरूप रु.४.७७ करोड़ राजस्व की वसूली की गयी।

मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (द्वितीय) अखिल शुक्ल के नेतृत्व में किसी एक माह में टिकट जांच के माध्यम से अर्जित होने वाले राजस्व में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है, जो की पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़ देता है। इससे पूर्व पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माह नवम्बर २०२१ में ३.६८ करोड़ रहा था। उक्त सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में उप मुख्य टिकट निरीक्षक नन्द किशोर ने सबसे अधिक राजस्व वसूला, उन्होंने नवंबर माह में १४.२२ लाख रुपये रेलवे के खाते में जमा कराए तथा प्रथम स्थान पर रहे।

अवगत कराया जाता है की वर्तमान वित्तीय वर्ष में माह अप्रैल से दिसंबर तक मंडल द्वारा २,८७,३५३ प्रकरणों से १६.२० करोड़ रूपए के रेल प्रजस्व की प्राप्ति है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक नवीन दीक्षित ने बताया कि मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशन व अनारक्षित यात्री गाड़ियों में नियमित रूप से सघन टिकट चेकिंग कराई जाएगी, जिससे कि बिना टिकट यात्रा करने वालों पर अंकुश लगाया जा सके।

अगर हिन्दुस्तान को सचमुच एक राष्ट्र बनाना है तो चाहें कोई माने या न माने राष्ट्र भाषा तो हिंदी ही बन सकती है।

महात्मा गाँधी

शैलेंद्र कपिल बने उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। शैलेंद्र कपिल ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक का कार्यभार ग्रहण कर लिया। शैलेंद्र कपिल भारतीय रेल यातायात सेवा के १९८७ बैच के अधिकारी हैं,इसके पूर्व कपिल उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में ही ज़ोन के पहले मुख्य दावा अधिकारी (सीसीओ) के रूप में कार्यरत थे। उन्होनें यह पदभार निवर्तमान प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एम एन ओझा के स्थान पर ग्रहण किया। कपिल भारतीय रेलवे के गतिशील कुछ कुशल एवं तेजतर्रार अधिकारियों में से एक हैं जिनको रेलवे मे सतर्कता सहित परिचालन, संरक्षा और वाणिज्य विभागों और सामान्य प्रशासन में काम करने का व्यापक अनुभव है। उन्होंने प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, पूर्व तट रेलवे भुवनेश्वर और कोयला क्षेत्र में स्थित बरकाकाना में एडीआरएम धनबाद डिवीजन के रूप में काम किया। शैलेंद्र कपिल ने उत्तर मध्य रेलवे में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/प्रयागराज मंडल, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/प्रयागराज मंडल, मुख्य माल यातायात प्रबंधक, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पीएम एवं मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/मालाभाड़ा विपणन आदि पदों पर कार्य किया है। आरडीएसओ में उन्होंने एएसएम और एएलपी/एलपी के साइको परीक्षणों संबंधी अनुसंधान में विशेष योगदान दिया किया और और आईआरआटीएम (भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण संस्थान) में डीन के रूप में कार्य करते हुए युवा आईआरटीएस अधिकारियों को दुर्घटना स्थलों, कुंभ मेला आदि में ले जाकर व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षित करने की पहल की थी। साहित्य में उनकी विशेष रुचि है।उन्होंने सिगापुर और मलेशिया में महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। एस. कपिल का कहना है कि उनकी प्राथमिकता यात्री सेवा में सुधार, लदान ग्राहकों को बेहतर सुविधा और रेल की आय में वृद्धि के प्रयास होगी।

यूपी बोर्ड-२०२२ की परीक्षा होगी ८२६६ केंद्रों पर

रे.स.ब्यू./सूत्र। परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद यूपी बोर्ड २०२२ की केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। सूबे में जिला समिति की ओर से ८२६६ केंद्रों पर परीक्षा के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। बतादें कि इन प्रस्तावित केंद्रों को लेकर छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य और प्रबंधक को कोई आपत्ति हैं तो वह जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रतिहस्ताक्षरित कराकर परिषद की मेल आईडी पर १५ जनवरी तक भेज सकते थे। जिनका निस्तारण परिषद की केंद्र निर्धारण समिति करेगी। वहीं निस्तारण के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद केंद्रों की सूची को अंतिम रूप से २४ जनवरी ऑनलाइन कर देगा।

विद्युतीकरण की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर उत्तर मध्य रेलवे

साभारः मिशन १०० विद्युतीकरण की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने अप्रैल-दिसंबर २०२१ के मध्य कुल २१६ रूट किलोमीटर और ३१४ ट्रैक किलोमीटर विद्युतीकरण पूरा किया। चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों के दौरान जिन प्रमुख मार्गों का विद्युतीकरण किया गया है वे हैं:बिरलानगर-उदी मोड़ (१०१ किमी) महोबा-खजुराहो (६४ किमी)शिकोहाबाद-मैनपुरी (५१ किमी) इसके अलावा, भीमसेन-झांसी दोहरीकरण परियोजना के सेक्शन चौराह-मलासा (१६ किमी), नंदखास-परौना (३२ किमी) और बबीना-झांसी (२४ किमी) के बीच तीसरी लाइन पर विद्युतीकरण के साथ परिचालन प्रारंभ हुआ। वर्तमान में, उत्तर मध्य रेलवे में २६३३ रूट किलोमीटर और ६३१३ ट्रैक किलोमीटर विद्युतीकृत हो चुके हैं। कैलेंडर वर्ष २०२१ के दौरान उत्तर मध्य रेलवे में पूर्ण किए गए विद्युतीकरण कार्य इस प्रकार हैं: १. भरतपुर- बांदीकुई (६७.५ किमी) २. भंड - इटावा (११४ किमी) ३. महोबा-खजुराहो (६४ किमी) ४. बिरलानगर-उदीमोर (१०१ किमी) ५. शिकोहाबाद-मणिपुरी (५१ किमी)उपरोक्त प्रमुख मार्गों के अलावा चुनार, चुर्क, मेजा एनटीपीसी, शंकरगढ़ जैसे साइडिंग का विद्युतीकरण कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

वृहद स्तर पर विद्युतीकरण के परिणामस्वरूप, इलेक्ट्रिक इंजन से डीजल इंजन में कर्षण परिवर्तन की आवश्यकता अब इन स्थानों पर समाप्त हो गई है, जिससे परिचालन को निर्बाध बनाया जा सका है और गतिशीलता और समयपालन में सुधार हुआ है। उत्तर मध्य रेलवे में ३२२२ रूट किलोमीटर के कुल ब्रॉड गेज नेटवर्क के में २६३३रूट किमी के विद्युतीकृत होने से अब उत्तर मध्य रेलवे के कुल ब्रॉड गेज नेटवर्क का ६१%विद्युतीकृत हो गया है। इसी क्रम में शेष मार्गों खजुराहो-उदयपुरा, बरहान-एटा और इटावा-मैनपुरी-फर्रुखाबाद आदि का विद्युतीकरण वर्तमान वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

चक्रधरपुर मण्डल पूर्ण रूप से हुआ विद्युतीकृत

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना १०० % विद्युतीकरण के लक्ष्य के अन्तर्गत कोलकाता परियोजना द्वारा दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मण्डल में, ऑन्लाझारी-बदामपहाड़ (३३.१४ RKM) खण्ड का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक ०७.०१.२०२२ को सीआरएस निरीक्षण का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न करा कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल किया है। इस अवसर पर कोर के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह, ने कोलकाता परियोजना की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि भारतवर्ष के सभी ब्रॉडगेज रेल-मार्गों को पूर्ण रूप से विद्युतीकृत करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

इस खण्ड के विद्युतीकृत होने से टाटानगर- बदामपहाड़ का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। इस सेक्शन के विद्युतीकरण के पश्चात चक्रधरपुर मण्डल अब पूर्ण रूप से विद्युतीकृत हो गया है। अब मेल/सवारी एवं माल गाड़ियाँ विद्युत इंजन द्वारा परिचालित की जाएंगी।

टाटानगर-बदामपहाड़ का विद्युतीकृत खण्ड यातायात में वृद्धि के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, चूकी टाटानगर एक औद्योगिक शहर होने के नाते यहाँ से समानों एवं दैनिक यात्रियों की आवाजाही बड़े पैमाने पर होता है जिससे इस खण्ड में गाड़ियों के परिचालन में और सहूलियत तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। भारतीय रेल को आर्थिक दृष्टिकोण से सुदृढ़ एवं स्वच्छ पर्यावरण के लिए संकल्पित शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ हरित रेल बनाने की राह में केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज, अहम भूमिका निभा रहा है।

महेन्द्रूघाट पटना में पीएम गति शक्ति पर आधारित पूर्वी क्षेत्र सम्मेलन आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्र। हाजीपुर महेन्द्रूघाट रेल परिसर, पटना में पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान फॉर मल्टी मोडल कनेक्टिविटी पर आधारित पूर्वी क्षेत्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन रेल मंत्रालय एवं बिहार सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दिनांक ०७.०१.२०२२ को सम्मेलन में बिहार के अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधि एवं पूर्व रेलवे/ कोलकाता, दक्षिण पूर्व रेलवे/ कोलकाता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे/बिलासपुर एवं पूर्व तटीय रेलवे/भुवनेश्वर के प्रतिनिधि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इसके इलावा भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने भी ऑनलाईन इस सम्मेलन में अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक अनुपम शर्मा ने विडियो लिंक से जुड़े बिहार के माननीय उप मुख्यमंत्री सहित सम्मेलन स्थल पर मौजूद अन्य गणमान्य का स्वागत किया। उन्होंने संबोधन में कहा कि यह हर्ष की बात है कि पीएम गति शक्ति योजना के अंतर्गत पटना में यह सम्मेलन आयोजन का सौभाग्य पूर्व मध्य रेल को प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि भारत देश की आधारभूत संरचनाओं के बहुआयामी स्वरूप एवं उनके समेकित, त्वरित एवं अबाध विकास के लिए भारतीय रेल और उसकी इकाई पूर्व मध्य रेल पूर्णतया संकल्पित है। आज का यह सम्म्लेन पूर्वी क्षेत्र के समग्र विकास हेतु एक सशक्त एवं सार्थक कदम है। इस सम्मेलन में आधारभूत संरचनाओं जैसे कि रेलवे, रोड, वाटरवे आदि के मल्टी मोडल कलेक्टिविटी के विषयों पर चर्चा हुई। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियोइनफॉरमैटिक्स द्वारा एक गतिशील भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म में तैयार किया गया है, जिसमें मंत्रालयों/विभागों की विशिष्ट कार्य योजना पर डेटा को एक व्यापक डेटाबेस में शामिल किया जा रहा है।

"मिशन जीवन रक्षा" के तहत आरपीएफ कर्मियों ने बचाई ६०१ लोगों की जिंदगी

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरपीएफ यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। यह अपने ग्राहकों को सुरक्षित माल परिवहन सेवा प्रदान करने में भारतीय रेलवे की सहायता करती है। आरपीएफ ने रेलवे संपत्ति के खिलाफ अपराध का पता लगाने के लिए उपाय करने के साथ-साथ निरोधक उपायों के जरिए पूरे देश में स्थित रेलवे की विशाल संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी को भी निभाया है। यह आंतरिक सुरक्षा, कानून व व्यवस्था संरक्षण और राष्ट्रीय व राज्य चुनावों के दौरान बंदोबस्त प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण हितधारक बन गई है। साल २०२१ मे महामारी के दौरान कोविड के प्रसार को रोकने के लिए की गई कार्रवाई व आरपीएफ ने ५२२ ऑक्सीजन विशेष ट्रेनों को शुरुआती स्टेशन से गंतव्य तक सुरक्षा प्रदान की व प्रमुख स्टेशनों पर कोविड सहायता बूथों को संचालित किया गया, जिन्होंने कई स्रोतों से सत्यापित जानकारी प्राप्त की और जरूरतमंदों को तत्काल सहायता प्रदान करने के अलावा उन्हें कोविड संसाधनों की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्रदान की। २०२१ के दौरान २६ आरपीएफ कर्मियों ने काम के दौरान कोविड संक्रमित होने के चलते अपनी जिंदगी न्यौछावर कर दी। अनमोल जीवन को बचाना आरपीएफ कर्मियों ने अपनी सुरक्षा की चिंता किए बिना अपनी ड्यूटी की सीमा से कहीं आगे जाकर ६०१ व्यक्तियों की जिंदगी को बचाया। एनसीआर (उत्तर प्रदेश) के भरवारी रेलवे स्टेशन पर २ मार्च, २०२१ को हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद ने अदम्य साहस दिखाते हुए आत्महत्या की कोशिश करने वाली एक महिला को बचाते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। चार वर्षों में आरपीएफ के जवानों ने रेलवे स्टेशनों पर चलती ट्रेनों के पहियों की चपेट में आने से १,६५० लोगों की जिंदगी बचाई है। लंबी दूरी की ट्रेनों में विशेष रूप से अकेली यात्रा करने वाली या अपराध की –दृष्टि से कमजोर महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक पहल "मेरी सहेली" शुरू की गई थी। आरपीएफ ने इस उद्देश्य के लिए पूरे भारत के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर २४४ "मेरी सहेली" दलों की तैनाती की है। आरपीएफ रेल परिवहन के जरिए मानव तस्करी के मामलों में तत्काल कदम उठाती है और इस अपराध को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साल २०२१ के दौरान आरपीएफ ने ६३० व्यक्तियों को मानव तस्करों के चंगुल से छुड़ाया। इसमें ५४ महिलाएं, ६४ नाबालिग लड़कियां, ८१ पुरुष और ४०१ नाबालिग लड़के शामिल हैं। आरपीएफ ने कई वजह से अपने परिवार से खोए/बिछड़े हुए बच्चों को फिर से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा भारतीय रेलवे के संपर्क में आए देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले ११,६०० से अधिक बच्चों को बचाया है। पूरे देश में १३२ चाइल्ड हेल्प डेस्क कार्यरत हैं, जहां आरपीएफ बच्चों के बचाव के लिए मनोनीत एनजीओ के साथ काम करती है। पुलिस के माध्यम से कानून और व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों की है, जिसे ट्रेनों में वे जीआरपी/जिला पुलिस के जरिए पूरा करते हैं। आरपीएफ रेलवे यात्रियों के खिलाफ अपराध की रोकथाम/पहचान में पुलिस के प्रयासों में सहायता करती है। साल २०२१ के दौरान आरपीएफ ने यात्रियों के खिलाफ अपराध में शामिल ३,००० से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार कर संबंधित जीआरपी/पुलिस को सौंपने का काम की है। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा और इससे जुड़े अपराध के खिलाफ कानूनी कार्रवा करने के अपने आदेश के अनुसार, आरपीएफ ने साल २०२१ में ५.८३ करोड़ रुपये की चोरी की गई रेलवे संपत्ति की वसूली के साथ इस तरह के अपराध में शामिल ८,७४४ लोगों को गिरफ्तार किया है। कोविड महामारी के दौरान यात्री ट्रेनों के सीमित परिचालन को बहाल किया गया था और कोविड प्रोटोकॉल को लागू करने के संबंध में भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए ट्रेनों में आरक्षित बर्थ/सीट वाले यात्रियों को ही यात्रा करने की अनुमति थी। इसके चलते दलालों को अवैध रूप से प्रीमियम दरों पर आरक्षित टिकटों की खरीद और बिक्री का कारोबार करने का एक सुनहरा अवसर मिला। इस अपराध पर लगाम लगाने के लिए आरपीएफ ने तेजी से कार्रवाई की और पूरे साल इस तरह के अपराध के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया और ४,६०० से अधिक अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ ४,१०० से अधिक मामले दर्ज किए। इन दलालों के पास से २.८ करोड़ रुपये की अवैध रूप से प्राप्त भविष्य की यात्र टिकटों को भी जब्त किया गया।

सम्पादकीय

महामारी और चुनाव

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान चुनाव आयोग की ओर से किए जाने के बाद सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। वहीं अब यह भी तय हो गया है कि पंजाब, यूपी, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के ये विधानसभा चुनाव कोरोना और इसके नए वेरिएंट ओमीक्रोन के खौफ के साये में ही होने हैं। २०१७ में भी वहां सात चरणों में चुनाव हुए थे, लेकिन तब कोरोना का को प्रकोप नहीं था।

चुनाव आयोग ने अभी से सख्त कोरोना गाइडलाइंस जारी कर दी हैं।सभी राजनीतिक दलों ने इन पाबंदियों का स्वागत करते हुए इन्हें स्वीकार करने की बात कही है। तारीखों की घो"णा के बाद कोरोना के डेढ़ लाख से ज्यादा नए मामले दर्ज किए गए। कोरोना की तीसरी लहर के दौरान नए संक्रमणों की संख्या आठ लाख प्रति दिन तक जाने के आसार बताए जा रहे हैं, जो दूसरी लहर के चरम बिंदु से करीब दोगुना है। तीसरी लहर का पीक अगले महीने यानी फरवरी के मध्य में आने की बात कही जा रही है, जब इन चुनावों के अलग-अलग दौर चल रहे होंगे।

लेकिन इन हालात में सभी दलों को लेवल-प्लेइंग फील्ड मुहैया कराना भी चुनाव आयोग का ही दायित्व है। बहरहाल, चुनाव कार्यक्रम आ चुके हैं और सभी पार्टियां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शित करने की कोशिशों में लगी हैं।

पांच में से चार राज्यों में बीजेपी सत्ता में है। जाहिर है, सबसे ज्यादा दांव पर भी उसी का लगा है।

यूं हर राज्य की चुनावी लड़ाई अहम और अपने आप में दिलचस्प है, लेकिन ८० लोकसभा सीटों वाले यूपी पर सबका विशेष रूप से ध्यान है।

पीसीएस मेंस से पहले कई अभ्यर्थी हुए संक्रमित

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। पीसीएस-२०२१ की मुख्य परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) में ज्ञापन और कोविड पॉजिटिव की रिपोर्ट देकर मांग की है कि परीक्षा को स्थगित कर दिया जाए। बतादें कि कई अभ्यर्थी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। पीसीएस के ६७८ पदों पर भर्ती के लिए मुख्य परीक्षा २८ जनवरी से प्रस्तावित है। पीसीएस-२०२१ की प्रारंभिक परीक्षा में ७६८८ अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे, जिन्हें मुख्य परीक्षा में शामिल होना है। परीक्षा प्रयागराज, लखनऊ और गाजियाबाद में ३१ जनवरी तक आयोजित की जानी है। मुख्य परीक्षा से पहले कई अभ्यर्थी बुखार और खांसी जुकाम से पीड़ित हैं। ऐसे में उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है। तमाम अभ्यर्थियों ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में ज्ञापन दिया है कि परीक्षा को कुछ दिनों के लिए टाल दिया जाए।

लाखों श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति पर संगम में लगाई डुबकी

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। गंगा-यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में भगवान भास्कर के उत्तरायण होने के बाद लाखों श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति पर डुबकी लगाई और विधि विधान से मां गंगा का पूजन अर्चन किया। संगम में डुबकी लगाने का सिलसिला रात भोर में चार बजे के बाद ही शुरू हो गया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को पुण्यकाल में लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। सूर्योदय के साथ ही संगम के किनारे बनाए गए सभी दर्जन भर घाट श्रद्धालुओं से पट गए। इस बार मकर संक्रांति की मान्यता दो दिन होने के कारण शुक्रवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई थी। शनिवार को भी श्रद्धालुओं का रेला उमड़ा। संगम स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने लेटे हनुमानजी का दर्शन पूजन किया। मेले मे सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं।

पहले स्नान मे रेलवे स्टेशन रहे खाली

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। माघ मेले के पहले स्नान पर्व मकर संक्रांति पर भी कोरोना संक्रमण का असर पड़ा। मेले की इस महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशन खाली रहे। वहीं प्रयागराज रामबाग से दो मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था लेकिन उसके मात्र १६ टिकट ही बिके सके।प्रयागराज जंक्शन और प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन पर भी भीड़ ना होने की वजह से स्पेशल ट्रेन चलाने की नौबत नहीं आई। हालांकि रेलवे स्टेशन पर स्पेशल ट्रेन के रैक मंगवा लिए गए थे।

शहर उत्तरी से अनुग्रह सहित चार सीटों पर कांग्रेस ने उतारे प्रत्याशी

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में १२५ सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसमें प्रयागराज में चार सीटों पर भी प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की गई है। कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार इलाहाबाद शहर उत्तरी विधानसभा सीट से अनुग्रह नारायण सिंह को मौका दिया गया है वहीं फाफामऊ से दुर्गेश पांडेय, इलाहाबाद शहर दक्षिणी से अल्पना निषाद, बारा से अंजू संत के नाम है। चार सीटों में तीन पर महिलाओं को टिकट दिया गया है। इसी तरह प्रतापगढ़ की रामपुर खास विधानसभा से निवर्तमान विधायक आराधना मिश्रा मोना, प्रतापगढ़ सदर से नीरज त्रिपाठी, बाबागंज से बीना रानी और मंझनपुर कौशाम्बी से अरुण कुमार विद्यार्थी को उम्मीदवार बनाया गया है। इलाहाबाद उत्तरी से अनुग्रह नारायण के नाम की घोषणा काफी पहले हो चुकी है। अनुग्रह नारायण इस सीट से दो बार कांग्रेस को जीत दिला चुके हैं। इसी तरह प्रतापगढ़ में रामपुर खास विधानसभा से मोना मिश्रा भी वर्तमान में कांग्रेस की विधायक हैं।

बतादें कि इस सीट से लगातार नौ बार विधायक रह चुके पूर्व राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी की पुत्री हैं।

माघ मेले में बढ़ा संक्रमण का खतरा

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। माघ मेले में कोरोना से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे है। कोरोना की तीसरी लहर के बीच माघ मेले में स्नान के लिए आने वाले श्रद्घालुओं के आने का सिलसिला बृहस्पतिवार से ही शुरु हो गया। उसके बाद भी बृहस्पतिवार दिं १३.०१.२०२२ को १८ नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले। जिसके बाद मेला में संक्रमित मिले मरीजों का कुल आंकड़ा६६ तक पहुंच गया था। कोरोना के नोडल अधिकारी डॉ. ऋषि सहाय ने बताया कि उनका इलाज चल रहा है।

सौर ऊर्जा से हुई रु ३.८२ करोड़ की राजस्व बचत

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने अप्रैल-दिसंबर २०२१ के दौरान सौर ऊर्जा का उपयोग करके रु ३.८२ करोड़ की शुद्ध राजस्व बचत हासिल की है। उत्तर मध्य रेलवे नें अप्रैल-दिसंबर २०२१ के दौरान सौर ऊर्जा का उपयोग करके ६४ लाख यूनिट बिजली उत्पन्न की है जबकि, अप्रैल-दिसंबर २०२०-२१ के दौरान सौर ऊर्जा से ८१ लाख यूनिट बिजली उत्सर्जित की गई थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में १६% अधिक है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण की ओर एक तेज़ और बड़ा कदम है बल्कि ऊर्जा का एक हरित स्रोत होने के कारण इससे राजस्व में भी पर्याप्त बचत हुई है। उत्कृष्ट रखरखाव, सौर ऊर्जा संयंत्र के संचालन की बहुत सघन मॉनिटरिंग और सौर मिशन-२०२१-२२ के तहत किए गए अभिनव प्रयासों के कारण, उत्तर मध्य रेलवे में सौर संयंत्रों की उत्पादकता निरंतर बढ़ रही है। स्टेशन भवन, कार्यशालाएं, ट्रेनिंग विद्यालय, महाप्रबंधक कार्यालय और मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन आदि प्रमुख स्थानों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाए गए हैं। अप्रैल-दिसंबर के दौरान सौर ऊर्जा का उपयोग करके उत्तर मध्य रेलवे द्वारा कार्बन फुटप्रिंट में लगभग ८००० टन की कमी की गई है।

उत्तर मध्य रेलवे ने पार्सल और लगेज आय में दर्ज की ११८.३% वृद्धि

रे.स.ब्यू./सूत्र। उत्तर मध्य रेलवे ने ग्राहक केंद्रित नीतियों और प्रोएक्टिव मार्केटिंग प्रणाली को अपना कर अप्रैल-दिसंबर २०२१ के दौरान पार्सल और लगेज के परिवहन से रु २१.११ करोड़ का अर्जन किया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में पार्सल और लगेज से होने वाली कमाई की तुलना में यह ११८.३% की वृद्धि है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के दौरान रु ६.६७ करोड़ का अर्जन हुआ था। दिसंबर २०२१ के महीने में ही उत्तर मध्य रेलवे ने पार्सल और लगेज से रु. ३.१५ करोड़ का अर्जन किया जो पिछले वर्ष की तुलना में ४३.८%अधिक है। दिसंबर २०२० में इस मद से रुपये २.१६ करोड़ की आय हुई थी।ज़ोनल और मंडल स्तर पर बिजनेस डेवलेपमेंट यूनिट(बीडीयू) नॉन लीज़्ड वीपी के माध्यम से पार्सल यातायात बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं। अप्रैल-दिसंबर के दौरान कुल १८६ नॉन लीज़्ड वीपी को रु १.६४ करोड़ का अर्जन किया गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान केवल १०८ वीपी को लोड किया जा सकता था। इसके अतिरिक्त, निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) जारी कर ट्रेनों में लीज एसएलआर/वीपी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा चलाई जा रही किसान रेल न केवल छोटे किसानों को उनकी उपज को मांग के अनुरूप बाजार तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि उत्तर मध्य रेलवे की पार्सल आय में भी योगदान दे रही है। माह दिसंबर २०२१ तक, २८ किसान रेलों (प्रयागराज मंडल से ८ और आगरा मंडल से २०) को लोड किया गया है, जिसमें से रुपये १.६१ करोड़ (५०% सब्सिडी को छोड़कर) की वसूली की गई है।

रेलमंत्री द्वारा गोमतीनगर स्टेशन से कानपुर-ब्रह्मावर्त मेमू ट्रेन का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शुभारम्भ

साभारः रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार अश्विनी वैष्णव ने ०६ जनवरी २०२२ को गोमतीनगर स्टेशन पर आयोजित एक समारोह में गोमतीनगर स्टेशन पर नवनिर्मित द्वितीय प्रवश द्वार सहित टर्मिनल सुविधाओं एवं कोचिंग काम्प्लेक्स का उद्घाटन फलक अनावरण कर तथा गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस, मैलानी-बिछिया सवारी गाड़ी एवं कानपुर सेन्ट्रल-बह्मावर्त मेमू गाड़ी का शुभारम्भ हरी झण्डी दिखाकर किया। इस अवसर पर सांसद अशोक बाजपेई, सदस्य विधान परिषद अवनीश कुमार सिंह, महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी गोमती नगर स्टेशन पर उपस्थित थे। कानपुर सेन्ट्रल स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद सत्यदेव पचौरी, सांसद देवेन्द्र सिंह (भोले) तथा विधायकगण अभिजीत सिंह सांगा, रघुनन्दन भदौरिया, सुरेन्द्र मैथानी, महेश चन्द्र त्रिवेदी एवं सदस्य विधान परिषद अरूण पाठक द्वारा हरी झंडी दिखाकर कानपुर-ब्रह्मावर्त मेमू ट्रेन को कानपुर सेन्ट्रल के प्लेटफार्म सं. १० से रवाना किया गया। सांसदों द्वारा इस अवसर पर बहुप्रतीक्षित मांग के पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी तथा रेल प्रशासन का धन्यवाद दिया। उन्होंने जन समुदाय को आश्वासन दिया कि सुविधाओं में उतरोत्तर वृद्धि हेतु सदैव प्रयासरत रहेंगे। समारोह को सम्बोधित करते हुए रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार अश्विनी वैष्णव ने कहा कि लखनऊ शहर का तेजी से विकास एवं विस्तार हो रहा है, और यह नगर शैक्षणिक, औद्यौगिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है। इसे घ्यान में रखकर लखनऊ नगर के पूर्वी क्षेत्र में अवस्थित गोमतीनगर स्टेशन को टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया और कोचिंग काम्प्लेक्स सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान किया गया है। गोमतीनगर के टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित होने से यहाँ से लम्बी दूरी की गाड़ियों का संचालन सम्भव हुआ है। कार्यक्रम में मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज मोहित चन्द्र ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी गणमान्य अतिथियो का स्वागत किया तथा आशा व्यक्त की कि यह नई ट्रेन आमजन के मध्य बहुत लोकप्रिय रहेगी। उन्होने कहा कि लखनऊ एवं आसपास के क्षेत्र के निवासियों, विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों की काफी समय से मांग थी कि लखनऊ से गुवाहाटी के लिये गाड़ी चलाई जाये। गोमतीनगर को टर्मिनल स्टेशन में विकसित किये जाने के पश्चात इसे ध्यान में रखते हुये गोमतीनगर - कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के संचलन की स्वीकृति प्रदान की और आज इस एक्सप्रेस गाड़ी का शुभारम्भ किया गया। रेल मंत्री ने कहा कि स्टेशनों का विकास आगामी ५० वर्षो की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर किया जा रहा है। जिसका लाभ समाज के सभी वर्गो को मिलता है। रेलवे एवं डाक विभाग के संयुक्त प्रयासों से किसानों एवं छोटे उद्यमियों के माल देश के कोने कोने में भेजे जा रहे है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में बहुमुखी विकास का कार्य हो रहा है। इस समय उत्तर प्रदेश में ६७००० करोड़ की रेल परियोजनाऐं चल रही है। गोमतीनगर स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार सहित टर्मिनल सुविधाओं एवं कोचिंग काम्प्लेक्स का निर्माण हो जाने से विभूति खण्ड से स्टेशन आने वाले यात्रियों को काफी सुविधा एवं समय की बचत होगी। मण्डल रेल प्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ डा. मोनिका अग्निहोत्री ने रेल मंत्री सहित अन्य अतिथियो के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने समारोह का सफल संचालन किया। समारोह में कोविड प्रोटोकाल का पालन किया गया। समारोह के उपरांत उन्होने यहाँ नवनिर्मित कोचिंग काम्प्लेक्स में गाड़ी अनुरक्षण एवं धुलाई की आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण किया।

भारतीय रेलवे आत्मानिर्भर भारत को साकार करने के लिए है तैयार-रावसाहेब पाटील दानवे

साभारः रावसाहेब पाटील दानवे, राज्य मंत्री, रेल, कोयला और खान, भारत सरकार ने जालना से नए कोचों और संशोधित समय वाली नांदेड़-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस और पहली किसान रेल को २ जनवरी, २०२२ को जन प्रतिनिधियों और स्थानीय जनता की उपस्थिति में झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर रावसाहेब पाटील दानवे ने कहा कि नांदेड़-हडपसर (पुणे) एक्सप्रेस के समय में संशोधन किया गया है ताकि मराठवाडा क्षेत्र के लोगों के लिए सुविधाजनक गाडी समय प्रदान किया जा सके। नए एलएचबी कोच आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेंगे जैसे संवर्धित सुरक्षा के लिए सीसीटीवीएस, गाडी चालन समय की जानकारी प्रदान करने के लिए गाडी सूचना प्रणाली आदि। साथ ही, किसान रेल को झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो किसान समुदाय को उनके -कृषि उपज जैसे फल, सब्जियां आदि का ५०%परिवहन रियायत के साथ परिवहन के लिए देश के बड़े बाजारों के साथ कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदी जी, आत्मानिर्भर भारत के बारे में सपने देखते हैं और भारतीय रेलवे इसे साकार करने के लिए तैयार है। भारतीय रेलवे ने मनमाड-औरंगाबाद सेक्शन के दोहरीकरण का सर्वेक्षण कार्य १००० करोड़ रु. के व्यय से आरंभ किया है। अगले चरण में औरंगाबाद से जालना और उसके आगे तक रेलपथ दोहरीकरण का कार्य शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा।

जालना रेलवे स्टेशन पर १०० करोड़ रु. की लागत से पिट लाइन बनाने का प्रस्ताव सक्रिय रूप से विचाराधीन है। ए.के जैन, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि जोन मराठावाडा क्षेत्र में माल और पार्सल परिवहन पर विशेष ध्यान देने के साथ, अवसरंचना और रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मराठवाड़ा क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्टेशनों के लिए सुविधाजनक मार्गस्थ समय वाली यह नई एक्सप्रेस गाडी शैक्षणिक केंद्र और औद्योगिक केंद्र पुणे (हडपसर पुणे का उपनगर होने के कारण) से जोड़ती है। यात्रियों को संरक्षित और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने के लिए इन डिब्बों के दोनों ओर तथा प्रवेश द्वार पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं जिससे अप्राधिकृत यात्रियों के प्रवेश पर नजर रखने में सहायता मिलेगी। गाडी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए चलती गाडी का रियल टाइम सूचना प्रदान करने के लिए कोचों में स्पीकर लगाए गए हैं, जो जीपीएस तकनीक पर काम करेंगे। मराठवाड़ा क्षेत्र में चलने वाली गाडियों में पहली बार, एक ॥। एसी इकोन,मी क्लास का आरंभ किया गया है जो नियमित प्प एसी कोच की तुलना में कम कीमत पर एक आरामदायक वातानुकूलित यात्रा प्रदान करेगा। किसान रेल किसानों और व्यापारियों को उनकी -कृषि उपज को त्वरित, सुरक्षित और किफायती तरीके से बाजार में पहुंचाने की सुविधा प्रदान करती है, यहां तक कि दूर-दराज के गंतव्य स्थानों तक भी कम से कम नुकसान के साथ पहुंचाती है। जनवरी २०२१ में पहली किसान रेल से आरंभ होकर, ११ महीने की अल्पावधि में, दक्षिण मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार से महाराष्ट्र राज्य के लिए ४०० से अधिक किसान रेलें चलाई गई हैं तथा अंगूर, अनार और प्याज जैसी १ लाख टन से अधिक कृषि उपजों का परिवहन किया गया है। राजेश टोपे, जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, महाराष्ट्र सरकार और संरक्षक मंत्री, जालना जिला; संगीता कैलास गोरंट्याल, अध्यक्ष, नगर परिषद, जालना; विक्रम काले, विधान परिषद सदस्य, राजेश राठौड़, विधान परिषद सदस्य,कैलास गोरंट्याल, विधान सभा सदस्य, जालना, कुचे नारायण तिलकचंद, विधान सभा सदस्य, बदनापुर उत्तम वानखेड़े, अध्यक्ष, जिला परिषद, जालना; डॉ. विजय राठौड, जिला कलेक्टर, जालना सहित अन्य जन प्रतिनिधि और रेलवे के वरिष्ठ पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

"एम्प्लोई ऑफ द मंथ अवार्ड"से सम्मानित हुए रंजीत कुमार

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार, द्वारा प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, मनीष कुमार गुप्ता एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में दिनांक १२.०१.२०२२ को संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित ०५ रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किये गए। पुरस्कृत कर्मचारियों में लक्ष्मण, कीमैन/कौरारा, प्रयागराज मण्डल, काशीराम कुशवाहा, कांटेवाला/ ओरछा, झांसी मण्डल, चन्द्रपाल, ट्रैकमैन-प्ट/पलवल, आगरा मण्डल संजय, ट्रैकमैन-प्ट/पलवल, आगरा मण्डल एवं रंजीत कुमार, ट्रैकमैन-III घाटमपुर, झांसी मण्डल शामिल हैं। रंजीत कुमार, को दिसम्बर माह के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। रंजीत कुमार ने दिनांक ०७.१२.२०२१ को ड्यूटी के दौरान देखा कि नॉन इण्टरल,क समपार सं. ६२/सी, जहाँ पर वह ड्यूटी कर रहे थे, एक मालगाड़ी (BTH Goods) आ रही थी जबकि समपार फाटक खुला हुआ था। रंजीत कुमार के द्वारा तुरन्त समपार को बन्द करके गाड़ी को सुरक्षित पास कराया गया। इन्होंने रेलवे की संरक्षा हेतु सराहनीय कार्य किया।

ट्रैकमैन रेल संरक्षा के प्रहरी हैं: प्रमोद कुमार

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। शीतकाल में नाईट पेट्रोलिंग रेलसंरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती है। रेल प्रशासन द्वारा संपूर्ण रेल मार्ग पर रात्रिकालीन पेट्रोलिंग के लिए खंडवार ट्रैकमैंनों को नियुक्त किया जाता है। इसी क्रम में शीतकाल में ट्रैकमैनों द्वारा की जाने वाली इस कठिन पैदल निरीक्षण ड्यूटी का जायजा लेने और ट्रैकमैनों के मध्य उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से दिनांक-११-१२ जनवरी, २०२२ की मध्य रात्रि में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार ने सूबेदारगंज -बमरौली के मध्य पेट्रोलिंग कर रहे ट्रैकमैनों के साथ पैदल पेट्रोलिंग की। इस दौरान महाप्रबंधक ने उनसे सीधा संवाद स्थापित करते हुए उनके सामने आने वाली कठिनाइयों का जायजा लिया और उनके हरसंभव समाधान के लिए आश्वस्त किया। महाप्रबंधक ने कहा कि, पेट्रोलमैन रेल संरक्षा के प्रहरी हैं और सुचारु तथा सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित कर राष्ट्र को गतिमान बनाए रखने वाले सजग सिपाही हैं। इनकी कर्तव्य परायणता ही रेल यात्रिओं की आराम की नींद सुनिश्चित करती है। इसी क्रम में प्रमुख मुख्य इंजीनियर एस के मिश्रा ने कहा कि महाप्रबंधक महोदय का यह कदम सभी रेलपथ कर्मियों के लिए प्रेरणा का सबब बनेगा। उन्होंने बताया कि, शीत ऋतु में तापमान के अंतरण के कारण रेल पथ में फ्रैक्चर की संभावना रहती है और सतर्क नाइट पेट्रोलिंग से किसी भी अवांछित स्थिति से बचाव होता है। महाप्रबंधक द्वारा रात्रि कालीन पेट्रोलिंग के दौरान एस के मिश्रा प्रमुख मुख्य इंजीनियर एवं सौरभ जैन सचिव/महाप्रबंधक उनके साथ उपस्थित रहे।

प्रमुख स्नानों के दौरान सिविल लाइन्स साइड से प्रयागराज जंक्शन पर प्रवेश रहेगा बंद

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा माघ मेले के प्रमुख स्नानों के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर सिविल लाइंस की ओर से निम्न दिए गए दिनों में प्रवेश निषेध रहेगा। इस दौरान सिटी साइड की ओर से आगमन और सिविल लाइंस साइड के निकास की व्यवस्था लागू रहेगी। विवरण निम्नवत है:- मकर संक्रांति के पर्व पर दिनांक १३.०१.२२ को १२:०० बजे से दिनांक १५.०१.२२ को २४:०० बजे तक। पौष पूर्णिमा के पर्व पर दिनांक १६.०१.२२ को १२:०० बजे से दिनांक १८.०१.२२ को २४:०० बजे तक। मौनी अमावस्या के पर्व पर दिनांक ३०.०१.२२ को १८:०० बजे से दिनांक ०२.०२.२२ को २४:०० बजे तक। बसंत पंचमी के पर्व पर दिनांक ०४.०२.२२ को १२:०० बजे से दिनांक ०६.०२.२२ को २४:०० बजे तक। माघी पूर्णिमा के पर्व पर दिनांक १५.०२.२२ को १२:०० बजे से दिनांक १७.०२.२२ को २४:०० बजे तक। महाशिवरात्रि के पर्व पर दिनांक २८.०२.२२ को १२:०० बजे से दिनांक ०२.०३.२२ को २४:०० बजे तक।

रेल कौशल विकास योजना के अंतर्गत २२८ प्रशिक्षणार्थियों को मिला प्रमाण पत्र

साभार: हाजीपुर-पूर्व मध्य रेल द्वारा रेल कौशल विकास योजना के अन्तर्गत युवाओं को उद्योग आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर कुशल एवं रोजगार के लिए सक्षम बनाने के प्रयास के तहत विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा दिनांक २०.१२.२०२१ से १०.०१.२०२२ तक प्रशिक्षण देने के बाद १० एवं ११ जनवरी, २०२२ को कुल ८२ प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ पूर्व मध्य रेल द्वारा तीन चरणों में अब तक कुल २२८ प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के विद्युत कर्षण प्रशिक्षण केंद्र में ११.०१.२०२२ को इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले तृतीय बैच के १६ प्रशिक्षणार्थियों को तथा सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, हरनौत में मशीनिस्ट तथा वेल्डर कैटोगरी के क्रमशः १७ एवं १६ प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समस्तीपुर मंडल के पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द में फीटर ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कुल १६ तथा दानापुर मंडल के सिग्नल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र में ११ प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। विदित हो कि युवाओं में कौशल विकास के लिए भारतीय रेल में ''रेल कौशल विकास योजना'' का शुभारंभ दिनांक १७.०६.२०२१ को रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रोद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया था। रेल कौशल विकास योजना आजादी के अमृत महोत्सव के ७५वें साल के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् भारतीय रेल द्वारा अपनाए गए कौशल भारत मिशन का एक अभिन्न अंग है। इस पहल का मूल उद्देश्य युवाओं को विभिन्न ट्रेडों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए प्रशिक्षण कौशल प्रदान करना है।

ट्रिपलआईटी के निदेशक प्रो. नागभूषण ने पद से दिया इस्तीफा

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पी नागभूषण ने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है। इस्तीफा भेजने के बाद प्रोफेसर नागभूषण ने कहा कि सितंबर २०२१ में लगातार पांच दीक्षांत समारोह सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद ही शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को पत्र लिख कर नए निदेशक की चयन प्रक्रिया शुरू करने का अनुरोध किया था। शिक्षा मंत्रालय को भेजे पत्र में उन्होंने आग्रह किया है कि १८ फरवरी, २०२२ तक उन्हें कार्यमुक्त कर दिया जाए, ताकि वह आंध्र प्रदेश स्थित विज्ञान विश्वविद्यालय के नए कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर सकें। प्रो नागभूषण का पांच साल का कार्यकाल १६ मई २०२२ को पूरा हो रहा है। बतादें कि उन्होंने १६ मई २०१७ को ट्रिपलआईटी के तीसरे निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था।

उत्तर मध्य रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल में शुरू हुई टेलीमेडिसिन की सुविधा

रे.स.ब्यूरो./प्रयागराज। कोविड के रोगियों को होम आइसोलेशन के दौरान चिकित्सकीय परामर्श हेतु उत्तर मध्य रेलवे सेंट्रल हॉस्पिटल, प्रयागराज द्वारा २४X७ हेल्पलाइन जारी की गई है इस सुविधा के माध्यम से होम आइसोलेशन में रह रहे मरीज कभी भी कोई चिकित्सकीय परेशानी के निवारण हेतु हेल्पलाइन नं. ८६५७४१०८०३ पर कॉल कर अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं। इस सुविधा के सन्दर्भ में बोलते हुए प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. आनंद टंडन ने कहा कि रेल प्रशासन अपने कर्मचारियों की सुविधा हेतु सदैव तत्पर रहता है। वर्तमान परिदृश्य में यह सुविधा कोविड के मरीजों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे प्रमोद कुमार ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे स्टेशनों तथा कार्यक्षेत्रों में कोविड नियमों जैसे मास्क का उपयोग, सेनेटाइज़र का प्रयोग तथा सामाजिक दूरी का पालन कड़ाई से पालन कराया जाये, जिससे कोविड के प्रसार को रोका जा सके।

जिलाधिकारी ने की विधानसभा चुनाव के संबंध में बैठक

साभार : विधानसभा की तैयारियों के सम्बंध में जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार की अध्यक्षता में संगम सभागार में संयुक्त बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिसको जो भी दायित्व दिए गए है, उसको पूरी तन्मयता, निष्ठा एवं ईमानदारी से सम्पादित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का बारीकी से अध्ययन करते हुए उसका पालन सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों तथा पुलिस क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रें में भ्रमण कर मतदान केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है।

मेट्रो रेलवे ने २०२१ में किया बुनियादी ढांचे के विकास और नेटवर्क की क्षमता विस्तार में अभूतपूर्व विकास

पत्र.सू.का/ नई दिल्ली। कोलकाता मेट्रो ने वर्ष २०२१ के दौरान अपने नेटवर्क के बुनियादी ढांचे और क्षमता विस्तार के विकास में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। कोविड चुनौतियों के बावजूद कोलकाता मेट्रो ने यात्रियों के लिए भविष्य के विकास और यात्रा के अनुभव के अगले स्तर की नींव रखना जारी रखा। बतादें की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने २२.०२.२०२१ को नोआपारा से दक्षिणेश्वर (४.१ किमी लंबाई) तक उत्तर दक्षिण मेट्रो के विस्तारित खंड का उद्घाटन किया और इस पर पहली मेट्रो को हरी झंडी दिखाई थी। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि इस विस्तार से न केवल कोलकाता के लोगों को बल्कि हुगली, हावड़ा और उत्तर २४ परगना के लोगों को भी मेट्रो सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। कोलकाता मेट्रो की वर्ष २०२१ में कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां जिसमें साल के दौरान नोआपाड़ा कारशेड का नॉन इंटरलकिंग (एनआई) कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस एनआई कार्य में नोआपारा में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग सिस्टम में परिवर्तन (रूपांतरण) शामिल था, जो कारशेड में सभी मार्गों, बिंदुओं, संकेतों और ट्रैक अनुभागों से जुड़ा हुआ है। इस परिवर्तन ने नोआपारा से रेकों की आवाजाही के लचीलेपन परिचालन में काफी सुधार किया और इस तरह मेट्रो रेलवे के ट्रेन चलाने के निष्पादन मानकों में वृद्धि हुई है। २७.०८.२०२१ को १.२४ मेगावाट का रूफटॉप सोलर पावर प्लांट राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया गया। यह पावर प्लांट ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के सेंट्रल पार्क डिपो के दो प्रमुख भवनों की छतों पर लगाया गया है जो १६१७३ वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। नतीजतन मेट्रो रेलवे प्रति वर्ष लगभग ४५ लाख रुपये की बचत करने में सक्षम होगा। मेट्रो रेलवे के ३७वें स्थापना दिवस पर २४.१०.२०२१ को महानायक उत्तम कुमार स्टेशन पर नॉन-एसी मेट्रो रेक (रेक नंबर एन १२/१४ कोलकाता मेट्रो का अंतिम नॉन-एसी रेक) के अंदर देश के किसी भी मेट्रो रेलवे में अपनी तरह की पहली प्रदर्शनी "एग्जिबिशन ऑन व्हील्स" का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में रंगीन पोस्टरों के माध्यम से देश की पहली मेट्रो, कोलकाता मेट्रो के गौरवशाली अतीत, वर्तमान परिदृश्य और इसके भविष्य की परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी के बाद मेट्रो रेलवे ने नॉन एसी रेक के अपने बेड़े को विदाई दी। कोलकाता मेट्रो के नॉन-एसी रेक अब बीते दिनों की बात हो गए हैं। मेट्रो रेलवे अब यात्रियों को फुल एसी सेवाएं मुहैया करा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए २५.११.२०२१ को मेट्रो रेलवे में फिर से टोकन शुरू किए गए हैं। इन टोकन को सैनिटाइज करने के लिए नॉर्थ-साउथ और ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के सभी स्टेशनों पर ४० टोकन सैनिटाइजर मशीनें लगाई गई हैं। इस्तेमाल किए गए टोकन को ये मशीनें अल्ट्रा-वायलेट किरणों की मदद से ४ मिनट तक सैनिटाइज करती हैं। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मेट्रो यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए ०४.१२.२०२१ से ईस्ट-वेस्ट मेट्रो में क्यूआर कोड आधारित टिकट व्यवस्था शुरू की गई है। इस तीसरी वैकल्पिक व्यवस्था की शुरुआत के साथ ही मेट्रो टिकट अब यात्रियों की उंगलियों पर उपलब्ध हैं। मेट्रो रेलवे भी अब उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के स्टेशनों में क्यूआर कोड स्कैनर उपलब्ध कराने और मौजूदा एएफसी गेट्स के हार्डवेयर को अपग्रेड करने के बाद कुछ महीनों में उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर इस सुविधा का विस्तार करने के लिए काम कर रहा है। मेट्रो रेलवे का तपन सिन्हा मेमोरियल अस्पताल पिछले एक साल से कोविड मरीजों का इलाज कर रहा है। यहां कोविड मरीजों के इलाज के लिए ७५ बेड का अलग कोविड वार्ड खोला गया है। सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस वार्ड में ३०.१२.२०२१ तक ६०४ कोविड मरीजों का इलाज किया जा चुका है। ०२.०२.२०२१ से मेट्रो रेलवे में कोविड टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। ३०.१२.२०२१ तक कोविड वैक्सीन (पहली और दूसरी खुराक) की कुल २१,४२३ डोज दी जा चुकी है।

Development and Deployment of Anti-Viral and Anti-Pathogen system for Air Conditioned Coaches of Indian Railways by RDSO and CSIR

Coach used for fitment of the Anti-Viral System

Source:RDSO/Lucknow: Research Designs and Standards Organisation (RDSO) and CSIR-CSIO have been jointly working from last one-year for development and deployment of Anti-Viral and Anti-Pathogen system for Air Conditioned Coachesin railway AC coaches. Project was taken up in view of the pandemic of Covid SARS-2 virus in the country. Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) constituent laboratory, Central Scientific Instrumentation Organisation (CSIO) based in Chandigarh along with other CSIR labs has developed a UV-C based viral disinfection system for use in indoor spaces such as malls, conference rooms and transport vehicles. Air-conditioned coaches of Indian Railways are fitted with HVAC (Heating, Ventilation and Air-Conditioning) systems for maintaining comfortable environment for the passengers. One of the most important aspects of the HVAC systems is the ventilation of indoor closed spaces of the passenger area. People are more likely to getinfected in closed spaces of an HVAC system. Small compact ducts of HVAC system in an AC coach are places where Microbes can thrive circulating through the ventilation system. After a certain amount of time, it is likely that one, under HVAC will be exposed to microorganisms that cause respiratory infections, flu, and other illness. With the recent SARS-CoV-2 virus, the threat has increased tremendously with airborne transmission through the ventilation system which is responsible for the majority of primary and secondary infections. So disinfection of these systems is most important. RDSO and CSIR collaborated and took up the challenge for design and development of a UV-C based SARS virus deactivation system for the AC passenger coaches of Indian Railways. This project was started when the second wave of Covid-19 was at its peak. One AC 3 tier coach at Chandigarh Coaching Depot was selected to develop the system and for trials. Air flow of the AC coaches is high, therefore there was a challenge to design a system which can deactivate the virus in a short time of milliseconds. Dose of the UV-C radiation was worked out based on the airflow rate in the AC ducts by carrying out a CFD (Computational Flued Dynamics) study of air-flow through the air ducts of AC coach. Airflow in the AC coach was also measured by using hot-wire anemometer and the geometry of the ducts was transcribed in the form of a CAD (Computer Aided Design) model built for this purpose. Based on the calculated UV-C dose an experimental set-up was created in Institute of Microbial Technology (IMTECH), Chandigarh, which is another CSIR Lab. Detailed experiments with live virus and UV-C radiation were carried out in CSIR - IMTech to study the effect of UV-C on the virus. It was observed that UV-C radiation of appropriate dose was able to inactivate 99% of virus. Based on the success of the experimental results, size and wattage of the UV-C lamps was chosen. Calculation for the number of UV-C bulbs per air duct of AC3 tier coach was done. Design of clamps, base-plate, control panel, status board, electronics and wiring etc. was done in accordance with the extant Standards on use of such devices on railway passenger coaches. After development and manufacture of the prototype systems, two such systems were fitted in each duct of the AC 3 tier coach. Leakage of UV-C radiation was prevented by suitably design of the system and its placement in the AC air duct. UV-C radiation leakage into the passenger area was measured using UV light meters. It was ensured that the leakage of the UV-C radiation in the passenger area was not there. It was also studied whether the UV-C lamps location in the air duct hinder the air flow through CFD analysis. After the complete system was proven for performance and safety, the same was fitted on the AC coach and run-trials carried out by fitting the coach on Chandigarh Bandra Express.

CSIR-CSIO personnel travelled on the train for a month and evaluated the performance, leakage of UV-C in passenger area and any malfunctionalong with the team of Indian Railway officials from NR and RDSO. CSIR developed Dry air sampler was used to sample the air every few hours. System was able to meet all the performance, safety, environ-mental & EMI para-meters as per design. This anti-viral system for the AC coaches of IR has now been cleared by RDSO and communicated to Rly Board for decision for fitment on all AC coaches.

बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन में थी खराबी-अश्विनी वैष्णव

रे.स.ब्यू./सूत्र। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में गुरुवार को हुई बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटना स्थल का दिनांक १४.०१.२०२२ को जायजा लिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि ट्रेन के इंजन के कुछ उपकरणों में खराबी के चलते यह हादसा हुआ। बतादें कि गुरुवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के दोमोहानी के पास बीकानेर गुवाहाटी एक्सप्रेस के १२ डिब्बे पटरी से उतर गए थे और कुछ क्षतिग्रस्त हो गए थे। हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई और ३६ घायल हो गए थे। रेल मंत्री ने अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात भी की। रेलवे ने मृतकों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख और घायलों को २५-२५ हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। दौरा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हादसे का वास्तविक कारण तो इंजन के उपकरणों की पड़ताल के बाद ही पता चलेगा, लेकिन आरंभिक रूप से दुर्घटना इंजन की खराबी से होने का पता चला है। उन्होंने यह भी कहा कि स्पीड की पाबंदी या ट्रैक की खराबी हादसे की वजह नहीं है। इससे पूर्व रेल मंत्री वैष्णव ने कहा था, हादसे की जांच शुरू हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और मैं उनके सतत संपर्क में हूं। एनएफआर की मुख्य जनसंपर्क अधिकारी गुनीत कौर ने के अनुसार हादसे में ३६ लोग घायल हुए हैं। एनएफआर के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता मौके पर पहुंच कर ट्रेनों की आवाजाही को सामान्य करने के लिए पटरियों की मरम्मत के काम की निगरानी की।

बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस में प्रयागराज से ४६ यात्री हुए थे सवार

रे.स.ब्यूरो./ प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा. शिवम शर्मा ने बताया कि ट्रेन में उत्तर मध्य रेलवे के आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर और प्रयागराज से कुल १८८ यात्रियों का रिजर्वेशन विभिन्न कोचों में था। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार प्रयागराज के ४६ में से १८ यात्री पीछे के अन्य स्टेशनों पर उतर गए थे। ऐसे में घटना के वक्त प्रयागराज के २८ यात्री ऐसे रहे जो ट्रेन में सफर कर रहे थे।

टीकाकरण प्रमाण पत्र के साथ ही मेले में प्रवेश करें श्रद्धालु-सीएम योगी

रे.स.ब्यू./लखनऊ। प्रयागराज के माघ मेले में श्रद्धालुओं से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पर्व से संबंधित अनुष्ठान में शामिल होने का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आह्वान किया है। इसके साथ ही श्रद्धालुओं से टीकाकरण का प्रमाण पत्र भी साथ रखने को कहा है जिससे उन्हें कोई असुविधा न हो। वे बृहस्पतिवार दिनांक १३.०१. २०२२ को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माघ मेले की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। सीएम ने प्रदेश में टीकाकरण की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए रोजाना २५ लाख लोगों को वैक्सीन दिए जाने का लक्ष्य पूरा करने को कहा। उन्होंने हर हाल में अधिकारियों को दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं मेला क्षेत्र में निरंतर सफाई और सैनिटाइजेशन कराने के साथ ही चिकित्सा के बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए। कहा, मकर संक्रांति से संबंधित आयोजनों में वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों को ही शामिल किया जाए। श्रद्धालुओं को भी अपने साथ वैक्सीनेशन का प्रमाण पत्र साथ रखना चाहिए। माघ मेले में वही श्रद्धालु आएं, जिनके पास तत्काल हुई आरटीपीसीआर की रिपोर्ट हो।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

शहर पश्चिमी में माफियाराज नहीं अब रामराज चलेगा: सिद्धार्थ नाथ सिंह

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रवक्ता एवं कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा है कि शहर पश्चिमी कि गिनती अब विकास के पहचान के रूप में होने लगी है। दिनांक ०७.०१.२०२२ को सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा शहर पश्चिमी में माफियाराज नहीं अब रामराज चलेगा। जहाँ पर जनाकांक्षाओं के अनुरूप विकास की गाथा बन रहा है। लगभग १५ करोड़ की लागत से लगभग १०० कार्यों शिलान्यास व लोकार्पण से जनता की जनाकांक्षाओं की समस्याओं का समाधान में विकास की पहचान बढ़ी है। उन्होने कहा कि अगले ५ वर्षों में शहर पश्चिमी का कोई भी गांव,शहर के मोहल्लें उत्तर प्रदेश की सबसे विकसित विधानसभा के रूप में आदर्श विधानसभा कहलाएगा। जहां पर जनाकांक्षाओं की मूलभूत सुविधाएं स्थापित होंगे। भगवतपुर में सब्जी मंडी बनने से किसानों को अपनी फसल की उपज को सुगमता से बेचकर जीवन में बदलाव ला सकेगा। भगवतपुर के किसानों के जीवन मे क्रांति आएगी। उन्होंने कहा आईसीआईसीआई बैंक फाउंडेशन द्वारा असरावल खुर्द,बिसौना, पीपलगांव तीन स्कूलों का रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाई गई है जो पानी के जल स्तर को बनाए रखेगा और गर्मी के दिनों में भी पानी के संकट नहीं होंगे। इस मौके पर खादी बोर्ड सदस्य रमाशंकर शुक्ल, डीडीओ अशोक कुमार मौर्य, बीडीओ अनिल कुमार सिंह, इंजीनियर प्रभात नारायण तिवारी, रीजनल मैनेजर विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।
सहयोग राशि:
१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो कैंप
कार्यालय-८४३६ आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-५५

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040

श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता-जिलाधिकारी, प्रयागराज

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों को कोविड के दृष्टिगत सारे प्रवेश द्वारों का निरीक्षण किया गया। गुरूवार दिनांक १३.०१. २०२२ को निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीपीआरओ एवं स्वास्थ्य विभाग के टीम को निर्देशित किया है कि आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों की थर्मलस्क्रीनिंग के द्वारा जांच किया जाये एवं बिना मास्क के मेला क्षेत्र में प्रवेश न दिया जाये। कोविड का प्रसार काफी फैल रहा है, इसलिए श्रद्धालुओं से अपील भी किया है कि मास्क एवं अगर इसके कोई लक्षण परिलक्षित होते है, तो सावधानी बरते।

इसी क्रम में उन्होंने सिविल डिफेंस के पदाधिकारियों को ब्रीफ करते हुए कहा है कि प्रशासन के साथ आप लोग कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते है, वे निश्चित रूप से सराहनीय है और इस माघ मेला में आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

कोविड की चुनौती महत्वपूर्ण है। चिकित्सा की टीम ने अपना कार्य कर रही है तथा आप लोगो को ये ध्यान देना है कि मेला क्षेत्र में बिना मास्क प्रवेश न करने दिया जाये तथा रात्रि कफ्यू का पालन किया जाये तथा लोगो की सुरक्षा हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर डीपीआरओ सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही।